पढ़ई तुंहर दुआर

cgschool.in

स्कूल शिक्षा विभाग, छत्तीसगढ़ शासन

राज्य परियोजना कार्यालय, राजीव गांधी शिक्षा मिशन, छत्तीसगढ़

सर्व शिक्षा अभियान

सब पढ़ें सब बढ़ें

चर्चा पत्र

छत्तीसगढ़ के मोहल्ला कक्षाओं में ऑग्मेंटेड रीऐलिटी

माह- नवंबर, 2020
षष्ठम वर्ष अंक -6

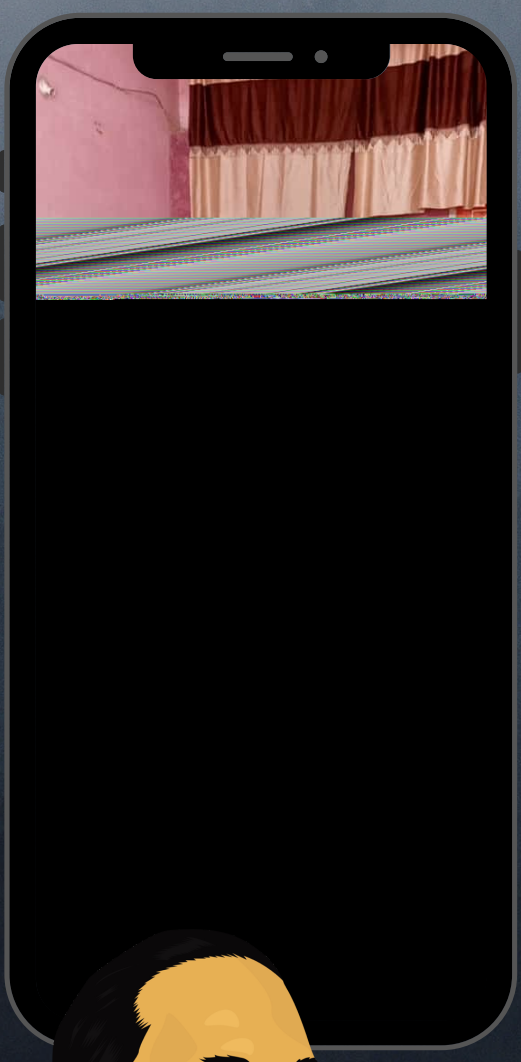

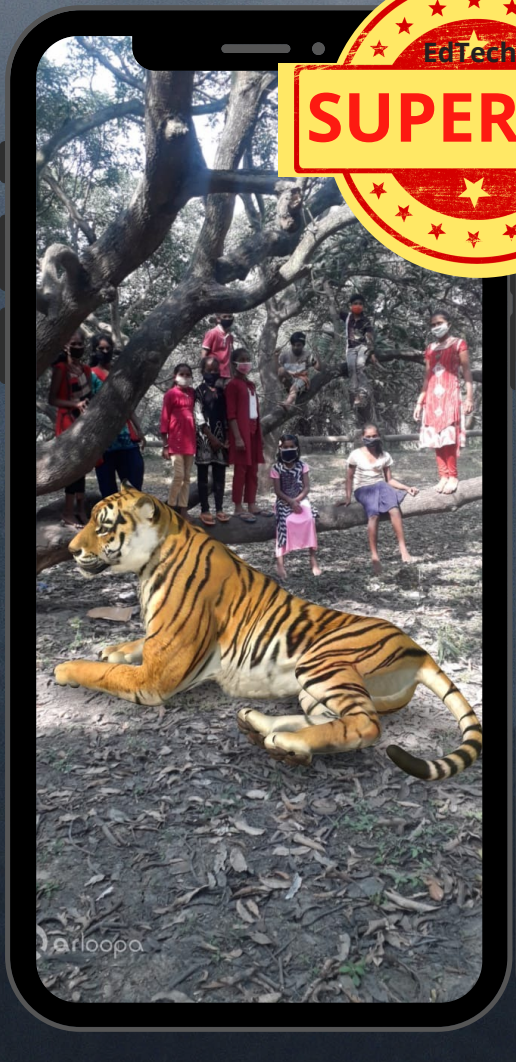

EdTech SUPERHIT

SCAN TAP BIT.LY/

2JCPNG5

संविधान पर बहुत उपयोगी ऑडियो-
विजुअल सामग्री प्राप्त करने हेतु लिंक

एजेंडा एक- संविधान पर आधारित गतिविधियाँ

स्कूलों में प्रार्थना के दौरान संविधान पर चर्चा कराए जाने के निर्देश हैं. आशा है हमारे सभी प्राचार्य/ प्रधानाध्यापक गण अपने अपने स्कूलों में इसका पालन कर रहे होंगे. बच्चों को हमारे संविधान में बारे में जानना और उसका पालन करना बेहद आवश्यक है.बच्चों को संविधान का अनुभव करने एवं भविष्य में अच्छा नागरिक बनाने आप सभी स्कूलों/ सीखने के केन्द्रों में निम्नलिखित कार्य आवश्यक रूप से करवाए जाएं-

- सभी कक्षाएं अपने कक्षा के लिए कुछ नियम बनाएं और उसका पालन नहीं करने वालों पर कुछ सजा आपस में मिलकर सर्वसम्मति से तय करें
- स्कूल के लिए निदेशक बिन्दुओं में नियमित स्कूल आना, पाठ्यक्रम को अच्छे से समझने मिलकर सीखने-सिखाने का प्रयास एवं एक दूसरे की मदद, पढाई में बिलकुल बाधा नहीं पहुंचाना, गृहकार्य समय पर करना, घर पर नियमित पढाई करना, अपने माता-पिता को घर के कामों में सहयोग देना जैसे विभिन्न कार्यों की सूची बना सकते हैं और प्रत्येक कार्य को नहीं करने पर उसके लिए सजा का प्रावधान भी कर सकते हैं. जैसे यदि लगातार बिना किसी कारण के तीन दिनों तक स्कूल नहीं आने पर आप सभी मिलकर उस पर कुछ सजा का निर्धारण कर सकते हैं.
- इसी प्रकार लंबे समय तक स्कूल नहीं आ रहे या शाला से बाहर के बच्चों को स्कूल में नियमित दाखिला दिलाने, उन्हें पढने में सहयोग करने वाले बच्चों को पुरस्कृत करने का प्रावधान भी किया जाना चाहिए.
- राज्य के सभी स्कूलों में बच्चों में कुशल नेतृत्व, जिम्मेदारी, जवाबदेही, मिलकर रचनात्मक कार्यों को करने के अवसर आदि देने हेतु सभी शालाओं में सक्रिय युवा क्लब का गठन करें. इन क्लबों में विद्यार्थियों को ही विभिन्न विभाग जैसे शिक्षा, कृषि, विधि, स्वास्थ्य, खेल, पुस्तकालय एवं पर्यावरण एवं संस्कृति मंत्रालय का गठन कर स्कूलों में उनके प्रभार के कामों के बेहतर संचालन का अवसर प्रदान करें .
- इन बच्चों को हमारे राज्य की विधान सभा की कार्यवाहियों को देखने का अवसर देते हुए युवा संसद का भी आयोजन करवाएं.
- स्कूली जीवन से ही हम ऐसा शुरू कर पाएं तो हम अपने विद्यार्थियों को बिना कोई भेदभाव किए एक अच्छा नागरिक बनाने की दिशा में सहयोग कर सकेंगे.

बच्चों के साथ संविधान के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा के आयोजन के साथ-साथ सभी कक्षाओं में उनका अपना नियम क़ानून बच्चों के सक्रिय सहभागिता से तैयार कर उसे कक्षा के भीतर दीवार पर प्रदर्शित करें. प्रारंभ से ही हमारे बच्चों को बेहतर नागरिक बनाने की दिशा में पहल करें.

एजेंडा दो- ग्राम/वार्ड स्तर पर प्रचार-प्रसार/ मीडिया में कार्य

समग्र शिक्षा की ओर से सभी शालाओं को प्रचार-प्रसार एवं मीडिया से संबंधित कार्यों हेतु बजट उपलब्ध करवाया जा रहा है. इस बजट से मुख्य रूप से समग्र शिक्षा का लोगो सभी स्कूलों में लगाया जाना था लेकिन केंद्र से भी तक समग्र शिक्षा का लोगो नहीं मिल पाया है अतः हम सभी अभी भी सर्व शिक्षा अभियान का पेन्सिल वाला लोगो ही उपयोग में लाया जा रहा है. अभी आपको जो बजट उपलब्ध करवाया जाएगा उससे आप निम्नलिखित कार्य कर सकते हैं-

- हम कोरोना से बचाव से संबंधित जानकारियाँ पोस्टर या अन्य माध्यमों से समुदाय के साथ साझा कर सकते हैं
- बच्चों के लिए मोहल्ला कक्षाओं, आनलाइन कक्षाओं एवं अन्य जो भी माध्यम से आप सीखने के अवसर दे रहे हैं, उसकी जानकारी दीवारों पर लिखकर दी जा सकती है
- यदि आप मिस्ड काल गुरुजी कार्यक्रम संचालित कर रहे हैं तो आप बच्चों को अपनी शंकाओं को पूछने के लिए मोबाइल नंबर सभी घरों में देने हेतु सामग्री फोटोकापी कर या दीवार लेखन कर जानकारी साझा कर सकते हैं
- यदि बहुत आवश्यक हो और कोई पार्टनर मिल रहे हों तो जरूरतमंद बच्चों के लिए स्व-सहायता समूह की महिलाओं के माध्यम से बच्चों के लिए मास्क बनाकर उसमें भी कोरोना से बचाव या प्रचार-प्रसार के मुद्दे शामिल कर सकते हैं
- बच्चों को जागरूक करने, नियमित सीखने आने, माताओं के साथ कुछ गतिविधियां, बालिका शिक्षा से संबंधित जानकारियों के लिए भी हम इसका उपयोग कर सकते हैं
- शाला से बाहर के बच्चों एवं अनियमित उपस्थिति वाले बच्चों को भी शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ने हेतु किए जा रहे कार्यों के लिए इसका उपयोग किया जा सकता है
- बच्चों की गुणवत्ता को परखने समुदाय के समक्ष मिलकर सामाजिक अंकेक्षण करने एवं उसके प्रचार-प्रसार के लिए भी इसका इस्तेमाल किया जा सकता है
- बच्चों को मीडिया पर्सन बनाने एवं स्थानीय स्तर पर समाचारों को एकत्र कर एक जगह पढने के लिए उपलब्ध कराने की दृष्टि से प्रत्येक शाला की बाहरी दीवार पर "आज की ताजा खबर" के नाम से एक श्यामपट लगवाएं
- शाला का सूचना मंत्री या समुदाय से पढ़ना-बढना अभियान से जुड़े किसी सक्रिय सदस्य को समुदाय से संबंधित विभिन्न सूचनाओं को एकत्र कर उसे आज की ताजा खबर के लिए निर्धारित श्यामपट में प्रतिदिन लिखने की जिम्मेदारी देते हुए लोगों को समाचार पढने शाला प्रांगण में आने के लिए अभ्यस्त बनाएं

इन सबके अलावा भी मीडिया मद से कुछ नवाचार अवश्य कर बच्चों को बेहतर शिक्षा देवें

एजेंडा तीन- शाला प्रबन्धन समिति की बैठक

शालाओं के लाकडाउन के दौरान स्थानीय समुदाय यदि एक्टिव हैं तो वहां के शिक्षक भी उनके साथ मिलकर आनलाइन, आफलाइन दोनों तरीकों से विभिन्न नवाचार कर बच्चों की शिक्षा जारी रखने का प्रयास कर रहे हैं. स्थानीय समुदाय को एक्टिव रखने एवं शाला और समुदाय को एक दूसरे से जोड़ने हेतु शाला प्रबन्धन समिति को सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए. शाला प्रबन्धन समिति की बैठक प्रति माह नियमित रूप से ऐसे समय में आयोजित करने जब अधिक से अधिक सदस्य आसानी से उपस्थित होकर समय दे सके. शाला की जरूरतों एवं प्राथमिकताओं को ध्यान में रखते हुए आप बैठकों में निम्नलिखित मुद्दों पर चर्चा कर निर्णय लेकर सुधार कर सकते हैं –

- बच्चों की आनलाइन /आफलाइन कक्षाओं में नियमित उपस्थिति
- सभी शिक्षकों की नियमित उपस्थिति सुनिश्चित कर उन्हें बच्चों को सिखाने की जिम्मेदारी देना एवं उन्हें सहयोग के लिए समुदाय से शिक्षा सारथी उपलब्ध करवाना
- शिक्षकों द्वारा बच्चों का सीखना जारी रखने हेतु आवश्यक संसाधन मुहैय्या करवाना
- सभी बच्चों को फाउंडेशनल लर्निंग हेतु निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त करने में आसानी हो
- शाला में सुधार हेतु आवश्यकता आधारित शाला विकास योजना तैयार कर क्रियान्वयन
- शाला से बाहर के बच्चों/ अनियमित बच्चों/ बालिकाओं/ एस.सी.एस.टी. बच्चों की शिक्षा में आ रही बाधाओं को ध्यान में रखकर उन्हें सुविधाएं उपलब्ध करवाना
- बच्चों को खेलने हेतु खेलगढ़िया मद से खेलने के लिए समुचित व्यवस्थाएं
- युवा एवं इको क्लब के माध्यम से विद्यार्थियों को सक्रिय रखने हेतु विभिन्न योजनाएं
- शाला परिसर को और बेहतर करने एवं यदि कहीं मरम्मत की आवश्यकता हो तो उसके लिए आवश्यक व्यवस्था करना
- शाला का सुरक्षा ओडिट करवाते हुए ऐसे स्थलों की पहचान करना जिसकी वजह से खतरा हो और उन खतरों को दूर करने हेतु तत्काल आवश्यक उपाय करना जैसे कही बिजली के तार खुले हों और करेंट की संभावना हो, यदि खुला बोर हो तो बच्चों के उसमें गिरने का खतरा हो, छत कमजोर होकर गिरने की संभावना हो

शाला प्रबन्धन समिति की प्रतिमाह नियमित बैठक इस प्रकार से लें कि उपस्थिति अधिक से अधिक हो, बच्चों की गुणवत्ता सुधार पर फोकस हो, पूर्व से बैठक हेतु सभी की जानकारी में निर्धारित एजेंडा हो और बैठक के बाद नियमित फोलो अप के लिए बैठक के मिनट्स समय पर जारी करते हुए फोलो-अप लेवें

एजेंडा चार- बालिकाओं की शिक्षा को प्रोत्साहन

कोरोना के दौरान बालिकाओं की शिक्षा पर सबसे अधिक खतरे की संभावना महसूस की गयी है. पालकों को उनके कमजोर आर्थिक स्थिति की वजह से काम पर बाहर जाने से घर पर बच्चों की देखभाल एवं घरेलू कार्यों में सहयोग के लिए लड़कियों को पढाई से रोकने की प्रबल संभावना होती है. चूंकि पूरे समय बच्चों को घर पर ही रहना हैं, उनके नजदीकी रिश्तेदारों, पड़ोसियों द्वारा शोषण के खतरे पर भी ध्यान देने की आवश्यकता है. ऐसे में हमने अपने पचास प्रतिशत आबादी को हमारे बच्चियों को कोरोना संकट की वजह से उनके आगे की पढ़ाई को संकट में आने से बचाना चाहिए. इस खतरे को ध्यान में रखते हुए हम सबको अपने बच्चियों का भविष्य सुरक्षित रखने के उद्देश्य से निम्नलिखित कार्य तत्काल फील्ड में करने की आवश्यकता है-

1. अपने आसपास इस बात को पता करने का प्रयास करें कि लड़कियों को विभिन्न कारणों से ड्राप-आउट तो नहीं कर दिया गया है या किसी बालिका के ड्राप आउट की संभावना तो नहीं है. इस सूचना की प्राप्ति हेतु अपने क्षेत्र के युवा क्लब के सदस्यों एवं शाला प्रबन्धन समिति के सदस्यों के माध्यम से सर्वे करने का प्रयास करें और ऐसे मामलों में संबंधितों से चर्चा कर बालिकाओं की पढाई जारी रखवाने हेतु सभी आवश्यक उपाय करें.
2. शाला में यूथ क्लब एवं विभिन्न जिम्मेदारियों के लिए चयन करते समय बालिकाओं को प्राथमिकता देते हुए उनमें आत्मविश्वास विकसित करें.
3. शाला में खेलकूद के लिए उपलब्ध खेलगढ़िया मद से बालिकाओं को खेलकूद में आगे बढाने हेतु आवश्यक समर्थन एवं सामग्री प्रदान करें.
4. अपने आसपास सफल महिलाओं को बालिकाओं के समक्ष रोल मोडल के रूप में प्रस्तुत कर उनसे समय समय पर चर्चा/ व्याख्यान आयोजित करें.
5. बालिकाओं की शिक्षा को बढ़ावा देने एवं उनसे संबंधित मुद्दों पर सहयोग देने हेतु विशेष प्रोफेशनल लर्निंग कम्युनिटी का गठन कर उन्हें सक्रिय करें.
6. समुदाय से मोहल्ला कक्षाओं के संचालन हेतु अधिक से अधिक बालिकाओं/ महिलाओं को सामने लाने का प्रयास करें | महिलाओं के जुड़ने से बालिकाओं को नियमित सीखने के केंद्र में आने हेतु प्रोत्साहन मिलेगा.
7. यदि किसी क्षेत्र में बालिकाओं की संख्या काफी अधिक है और समुदाय द्वारा उनके लिए अलग से सीखने की व्यवस्था की मांग की जाती है तो बालिकाओं के लिए विशेष केन्द्रों खोलने की पहला की जा सकती है.

8. बालिकाओं/ महिलाओं द्वारा चलाए गए केन्द्रों के नाम उनके अपने नाम से देते हुए उन्हें प्रोत्साहित करें जैसे पिंकी की क्लास, मोना की क्लास आदि.
9. अधिकांश विकासखंडों में कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय अथवा बालिका आश्रम शालाओं में रूम टू रीड से परियोजना विजयी कार्यक्रम चलाया जा रहा है. यहाँ के अधीक्षिकाओं के सहयोग से जीवन कौशल की जानकारी प्राप्त करने हेतु उनके सहयोग से प्रशिक्षण स्तरों का आयोजन करें. इस हेतु रूम टू रीड के जिला प्रभारियों से भी सहयोग लेवें.
10. प्रशिक्षण सत्रों के आयोजन के दौरान दो वर्षों से इस कार्यक्रम का लाभ उठा रही बालिकाओं को आवश्यक शामिल कर उनके अनुभव प्राप्त करें.
11. शाला स्तर पर शाला प्रबन्धन समिति में चयनित पचास प्रतिशत महिलाओं को इस बात से अवगत कराएं कि वे अपने क्षेत्र में बालिकाओं की शिक्षा जारी रखे जाने हेतु प्रयास करें एवं आवश्यकता हो तो स्थानीय स्तर पर इस कार्य की देखरेख हेतु एक सशक्त दल का गठन कर जिम्मेदारी दें.
12. संकुल, विकासखंड एवं जिले स्तर पर बालिका शिक्षा को बढ़ावा देने एवं बालिकाओं को ड्राप आउट से रोकने हेतु एक स्रोत दल का गठन करें. इस स्रोत दल के माध्यम से निम्नलिखित कार्य करवाएं-
    - आसपास की ड्राप-आउट बालिकाओं की जानकारी के लिए एक सर्वे
    - ड्राप-आउट बालिकाओं एवं ड्राप-आउट की संभावना वाले बालिकाओं के सहयोग एवं सभी प्रकार से आवश्यक समर्थन प्रदान करने व्यक्तिगत स्तर पर विभिन्न संस्थाओं के साथ मिलकर प्रयास करना
    - बालिकाओं को अपनी पढाई जारी रखने सीखने के केन्द्रों में नियमित जाने, पूरे समय रहकर अच्छे से सीखने हेतु प्रोत्साहित करना
    - अधिक से अधिक महिलाओं एवं बालिकाओं को मोहल्ला कक्षाओं में अध्यापन में सहयोग हेतु प्रेरित करना
    - आवश्यकता पड़ने पर ऐसे बालिकाओं के लिए विशेष कोचिंग कक्षाओं की व्यवस्था कर उन्हें पढाई में आगे बढ़ाना
    - बालिकाओं के टेलेंट की शुरू से पहचान कर उन क्षेत्रों में उन्हें आगे बढ़ने के लिए सुविधाएं देना यथा खेलकूद, गायन-वादन आदि

आप सभी से अनुरोध है कि बालिकाओं की शिक्षा को प्रोत्साहित करने एवं आगे लेकर जाने हेतु विशेष प्रोफेशनल लर्निंग कम्युनिटी के माध्यम से इस क्षेत्र में कुछ नया करने हेतु अपने दिल से जुड़कर काम करना प्रारंभ करें.

एजेंडा पांच- सहायक सामग्री निर्माण

आप सभी इस बात से सहमत होंगे कि अपने कक्षा शिक्षण को रोचक एवं प्रभावी बनाने हेतु शिक्षण के दौरान सहायक सामग्री का उपयोग करना चाहिए. सहायक सामग्री का उपयोग बहुत सावधानी से करना चाहिए. कुछ सहायक सामग्री स्कूल परिसर में डिस्पले में रखे जा सकते हैं, कुछ को शिक्षक अध्यापन के दौरान उपयोग कर प्रदर्शित कर सकते हैं, कुछ को शिक्षक अपने विद्यार्थियों को उपयोग के लिए देते हुए शिक्षण बिंदु को समझाने में सहयोग कर सकते हैं.

इस वर्ष पहली बार विकासखंड स्तर पर पीएलसी के माध्यम से प्राथमिक स्तर पर सहायक सामग्री बनाने के लिए बजट दिया गया था. उनके द्वारा इन सामग्रियों को तैयार कर मुद्रित कर सभी प्राथमिक शालाओं में वितरित करने की जिम्मेदारी देते हुए सभी शालाओं में इनका उपयोग सुनिश्चित करते हुए शिक्षकों को पीएलसी के माध्यम से प्रशिक्षित कर बच्चों के साथ इन सामग्रियों के नियमित उपयोग के लिए प्रेरित किया जाना है | हमारे बहुत से विकासखंडों में शिक्षकों ने बहुत अच्छी क्वालिटी की सामग्री तैयार की है.इन्हें शीघ्र मुद्रित कर प्राथमिक शालाओं को देवें. इसके बाद विकासखंड स्तर पर उच्च प्राथमिक कक्षाओं के लिए सहायक सामग्री तैयार करने बजट उपलब्ध करवाया जाएगा. सभी PLC तैयारी रखें.

इस बार लगभग 5400 शालाओं – एक एक प्राथमिक एवं एक एक उच्च प्राथमिक प्रति संकुल के लिए सहायक सामग्री निर्माण हेतु प्रति शाला रूपए दस हजार का बजट प्राप्त हुआ है. ऐसी शालाएं जहां पीएलसी सक्रिय हो, सहायक सामग्री रखने, प्रदर्शित करने पर्याप्त स्थान हो और शिक्षक इन सामग्री का नियमित उपयोग अपनी-अपनी कक्षाओं में शिक्षण के दौरान करने हेतु तैयार हों, उनका चयन कर लेवें. एक शाला में रूपए दस हजार के भीतर क्या-क्या बनाया जा सकता है और उसके आधार पर शेष शालाएं इन्हें देखकर इनमें से प्रतिवर्ष कुछ कुछ सामग्री बनाकर अपनी शालाओं में भी सहायक सामग्री संकलित कर सकें, इसका ध्यान रखें. तैयार की जा रही सामग्री की लाइफ अधिक वर्षों की होनी चाहिए. ऐसी सामग्री को प्राथमिकता देवें जिन्हें बाजार से क्रय करना न पड़े.

प्रत्येक संकुल में एक प्राथमिक, एक उच्च प्राथमिक शाला का चयन कर उनमें सहायक सामग्री तैयार करने एक सशक्त पीएलसी का गठन कर योजना एवं सूची बनाना शुरू कर देवें. प्रत्येक पाठ एवं विषय के लिए स्थाई सहायक सामग्री तैयार करें ताकि उस पर प्रशिक्षण अपने संकुल के अन्य शिक्षकों को भी दिया जा सके. प्रायः ऐसा कहा जाता है कि जमीनी स्तर पर जिम्मेदारी देने से सही योजना एवं कार्यक्रम तैयार होता है, आप इस कथन को साबित करेंगे.

एजेंडा छः- कहानी लिखो प्रतियोगिता

राज्य में बच्चों को कोरोना काल में सीखने हेतु सक्रिय रखने के उद्देश्य से क्या हम अपने अपने क्षेत्र में बच्चों के लिए कहानियां लिखने की प्रतियोगिता का आयोजन कर सकते हैं ?

हाल ही में हमने स्टोरीवीव्हर के साथ मिलकर एक वेबीनार का आयोजन किया था. इस वेबीनार के माध्यम से हमने storyweaver के प्लेटफोर्म में उपलब्ध सुविधाओं का वर्णन किया था. हम शिक्षक साथी इस प्लेटफोर्म का उपयोग कर बच्चों के लिए कहानियाँ लिखकर उसमें उपयुक्त चित्र छांटने, अपलोड करने, उपलब्ध कहानियों को विभिन्न स्थानीय भाषा में अनुवाद भी किया जा सकता है. https://storyweaver.org.in/ में आपको साइन अप करने के बाद हिन्दी/ अंग्रेजी एवं अन्य 280 भाषाओं में अट्ठाईस हजार से अधिक कहानियां पढने के लिए उपलब्ध हैं | इन कहानियों के चित्र बच्चों की रूचि के अनुसार बनाए गए हैं. कहानियों को विभिन्न स्तरों के अनुरूप तैयार किया गया है. छोटे बच्चों के लिए अधिक चित्र एवं कम वाक्य, धीरे धीरे चित्र कम होकर वाक्य का अधिक होते जाना | सरल, आम बोलचाल की भाषा का उपयोग कर कहानी लेखन.

आप सभी से अनुरोध है कि इस वेबसाईट में पंजीयन कर कहानी लिखना और चित्र आदि जोड़कर इस वेबसाईट में कहानी लेखन, स्थानीय भाषा में उपलब्ध कहानियों का अनुवाद करना प्रारंभ करें. समस्त कार्य के लिए स्टोरीवीव्हर के वेबसाईट का उपयोग करें. हमारे नायक के आगामी श्रृंखला में जिलों से बेहतर क्वालिटी की अधिक से अधिक कहानियाँ लिखने वाले शिक्षकों को चयन किया जाएगा अतः जो हमारे नायक में स्थान चाहते हैं, अच्छी कहानियाँ लिखना शुरू करें. जिले में कहानी लेखन पर इस प्रकार से प्रतियोगिता आयोजित करें-

- प्रत्येक जिले में इस कार्य हेतु नोडल अधिकारी- एपीसी प्रशिक्षण
- प्रत्येक विकासखंड में नोडल अधिकारी- विकासखंड स्रोत समन्वयक
- प्रत्येक संकुल में नोडल अधिकारी- संकुल स्रोत समन्वयक

गतिविधि एक- जिले में स्टोरीवीव्हर के उपयोग हेतु एक वेबीनार का आयोजन
गतिविधि दो- नोडल अधिकारियों के साथ एक ग्रुप बनाकर प्रतियोगिता हेतु प्लान
गतिविधि तीन- संकुल स्तर पर कहानी लेखन प्रतियोगिताओं का आयोजन
गतिविधि चार- विकासखंड स्तर पर कहानी लेखन प्रतियोगिताओं का आयोजन
गतिविधि पांच- जिला स्तर पर कहानी लेखन प्रतियोगिताओं का आयोजन

यह सभी कार्य छब्बीस जनवरी, 2021 तक आयोजित कर विभिन्न स्तरों पर प्रतियोगिताओं में विजयी शिक्षकों ने नाम भेजना जारी रखें |

एजेंडा सात- प्रोफेशनल लर्निंग कम्युनिटी का वेबपेज

राज्य में प्रारंभिक स्तर पर विभिन्न प्रोफेशनल लर्निंग कम्युनिटी कार्य कर रहे हैं. इनके साथ मिलकर कार्य करने एवं सभी सक्रिय साथियों का विवरण एक जगह कम्पाइल करने के साथ-साथ पीएलसी के द्वारा किए जा रहे विभिन्न कार्यों का लेखा-जोखा रखने एवं एक दूसरे के कार्यों की जानकारी साझा करने एक प्लेटफोर्म बनाने के उद्देश्य से छत्तीसगढ़ के प्रोफेशनल लर्निंग कम्युनिटी के लिए एक पीएलसी का पेज cgschool.in में तैयार किया गया है. इसमें आपको निम्नलिखित जानकारी प्रविष्ट करनी होगी-

A. Type of PLC

राज्य में वर्तमान में निम्नलिखित प्रकार के पीएलसी को हम इस पेज में पंजीयन के लिए अवसर उपलब्ध करा सकते हैं:

1. विकासखंड स्तर पर बीआरसी के नेतृत्व में नवगठित पीएलसी- आधिकारिक
2. संकुल स्तर पर मासिक बैठकों के माध्यम से एक दूसरे से सीखने के लिए गठित पीएलसी
3. राज्य स्तर से शाला संकुल कार्यक्रम के अंतर्गत हायर सेकन्डरी शालाओं एक अधीन गठित पीएलसी – आधिकारिक
4. हायर सेकन्डरी स्तर पर प्रस्तावित विषय आधारित पीएलसी
5. नवाचारी शिक्षकों द्वारा स्वेच्छा से कुछ विशिष्ट उद्देश्यों के आधार पर गठित पीएलसी
6. विषय शिक्षण के अलावा अन्य विभिन्न क्षेत्रों में पेशेवर विकास के लिए गठित पीएलसी

B. Name of PLC for uniformity

विभिन्न स्तरों पर संचालित पीएलसी के नाम इस पेज पर इस प्रकार से पंजीकृत करवाए जा सकेंगे ताकि नाम के संबंध में एकरूपता हो और उनकी पहचान आसान हो सके.

C. Details of PLC leaders/posts- अध्यक्ष/ उपाध्यक्ष/सचिव/सदस्य

D. Objectives of PLC- कम से कम तीन उद्देश्य अवश्य लिखे जाएं

E. माहवार आपके PLC का लक्ष्य

F. माहवार आपके PLC द्वारा किए गए प्रमुख कार्य

G. आपके पीएलसी का फेसबुक पेज/ वेबसाईट लिंक

H. हमारे पीएलसी से कैसे जुड़ें?

I. फोटो एवं न्यूज गैलरी

J. BRC/CRC स्तर पर व्यय विवरण

एजेंडा आठ- दौड़ के लिए तैयार

राष्ट्रीय शिक्षा नीति में स्कूली शिक्षा में बहुत से बदलाव आगामी कुछ माहों में आपको दिखाई देंगे. इस लंबे दौड़ में शामिल होने से पहले हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि सभी बच्चों को मूलभूत भाषाई एवं गणितीय कौशल विकसित हो जाए. राष्ट्रीय शिक्षा नीति में फाउंडेशनल लिटरेसी एवं न्यूमेरेसी पर बहुत अधिक जोर दिया गया है. इस लक्ष्य को आगामी कुछ वर्षों में प्राप्त करते हुए हमें आगे और कठिन लक्ष्यों को पूरा करना होगा. क्या हम सब मिलकर अर्थात शाला प्रबन्धन समिति, शिक्षक, संकुल-विकासखंड समन्वयक, जिला स्तरीय अधिकारी अपने अपने क्षेत्र में नियमित केन्द्रों में सीखने वाले बच्चे, शाला से बाहर के बच्चों सभी को इस अभियान के लक्ष्य में शामिल कर उन्हें असर टूल पर आधारित दक्षताओं को प्राप्त करने हेतु एक माह या जो भी आप तय करें, के भीतर इसे प्राप्त करने ठोस योजना बनाकर काम करें.

भाषा

1. हिन्दी के वर्णमाला के अक्षरों की आकृति और ध्वनि को पहचानते हैं (कक्षा एक)
2. प्रिंट (लिखा या छपा हुआ) में मौजूद अक्षर, शब्द और वाक्य की इकाइयों की अवधारणा को समझते हैं (कक्षा दो)
3. अलग-अलग तरह की रचनाओं/ सामग्री (अखबार, बाल पत्रिका, होर्डिंग्स आदि) को समझकर पढ़ते हैं | (कक्षा तीन)

गणित

1. एक से नौ तक की संख्याओं का उपयोग करते हुए वस्तुओं को गिनते हैं (कक्षा एक)
2. निन्यानब्बे तक की संख्याओं को पहचानते हैं एवं संख्याओं को लिखते हैं (कक्षा दो)
3. दो अंकों की संख्याओं को घटाने पर आधारित दैनिक जीवन की समस्याओं को हल करते हैं (कक्षा दो)
4. तीन अंकों की संख्या को एक अंक की संख्या से भाग कर लेते हैं (कक्षा पांच)

जांच के लिए टूल का नमूना – ऐसे टूल बनाकर बच्चों से अभ्यास करवाएं

नगमा समझदार लड़की थी। मगर उसका छोटा भाई अमन बहुत नटखट था। एक दिन दोनों बाज़ार में घूम रहे थे। अमन ने रास्ते में पकौड़े देखे। उसे पकौड़े बहुत पसंद थे। माँ उसके लिए पकौड़े बनाती थी। नगमा ने कहा यह पकौड़े तीखे होंगे। मगर अमन नहीं माना। अमन ने पकौड़े खाए और उसकी आँखों से आँसू निकलने लगे।

रात हो गई है।
चाँद दिख रहा है।
तारे भी चमक रहे हैं।
सब लोग सो गए हैं।

न प म
च स
थ ग द
र ल

आग सोच
ताला
गिर पानी
मौका धुन
देश
पैसा बूढ़ा

अंक पहचान 1—9	संख्या पहचान 10—99	घटाव	भाग
5 7	74 23	63 − 44 ; 51 − 35	7) 898 (
8 4	91 86	92 − 48 ; 71 − 35	4) 659 (
2 9	24 79	45 − 27 ; 34 − 19	8) 946 (
3 1	37 61	43 − 29 ; 46 − 17	6) 757 (
	58 14		

आप अपने-अपने क्षेत्र में शत-प्रतिशत बच्चों को यदि उपरोक्त टूल को आसानी से कर सकने के योग्य बना लें तो इसकी घोषणा कर सकते हैं. लक्ष्य पूरा करने वाला संकुल/ विकासखंड/ जिला – सभी में पहला बनाने टीमवर्क करें.

एजेंडा नौ- पढई तुंहर दुआर कार्यक्रम को सक्रिय करना

राज्य में कोरोना संकट के दौरान पढई तुंहर दुआर कार्यक्रम लांच किया गया. इस कार्यक्रम के अंतर्गत जो गतिविधियाँ प्रारंभ की गयी थी उसे अभी और सक्रिय कर आगे बढाने की नितांत आवश्यकता है. कार्यक्रम की जमीनी स्तर पर तगड़ी मानिटरिंग करते हुए निम्नलिखित गतिविधियों के क्रियान्वयन में तेजी लाएं-

- अधिक से अधिक पालकों को सोशियल मीडिया से जोड़कर उन्हें सक्रिय रखें
- पालकों को उनके बच्चों को नियमित आनलाइन शिक्षा के लिए प्रेरित करें
- अधिक से अधिक विद्यार्थियों को नियमित आफलाइन कक्षाओं से जोड़ें
- शालाएं अपने वर्चुअल क्लासेस को प्रारंभ करें भले विद्यार्थी कम संख्या में हों
- वेबसाईट में उपलब्ध ऑडियो/वीडियो एवं अन्य सहायक सामग्री को देखें
- शंका समाधान एवं असाइंमेंट देकर उनकी जांच की प्रक्रिया में तेजी लाएं
- सभी शिक्षकों से नियमित रूप से बच्चों के आकलन की सही प्रविष्टि करवाएं
- जिलों में इस कार्यक्रम के लिए तय नोडल अधिकारियों को सक्रिय करें

एजेंडा दस- सेकन्डरी स्तर पर पीएलसी को सक्रिय करना

जिस प्रकार से प्रारंभिक स्तर पर शिक्षकों द्वारा पीएलसी का गठन किया गया है, उसी प्रकार से हमें अपने हाई एवं हायर सेकन्डरी स्तर पर कार्यरत व्याख्याताओं को भी सक्रिय करना है. चूंकि चर्चा पत्र उस स्तर पर लोग नहीं पढ़ते, आप सभी से अनुरोध है कि इस स्तर पर कार्यरत सभी अध्यापकों को सक्रिय करने निम्नलिखित कार्यों में सहयोग देवें-

- अपने क्षेत्र के परिचित अध्यापकों को पीएलसी की अवधारणा से परिचित करवाते हुए उन्हें टेलीग्राम के लेक्चरर ग्रुप में जुड़ने आवश्यक सहयोग देवें
- व्याख्याताओं को उनके विषय से संबंधित समूह में भी जुड़कर अपने अपने विषय के शिक्षण में नवाचारों को साझा करने हेतु प्रेरित करें
- राज्य द्वारा शीघ्र दो प्रशिक्षण इस स्तर के व्याख्याताओं के लिए आयोजित किए जाएंगे- पहला शाला सुरक्षा से संबंधित प्रशिक्षण एवं दूसरा जीवन कौशल को अपने विद्यार्थियों में विकसित करने हेतु प्रशिक्षण. इसमें अधिक से अधिक व्याख्याताओं को शामिल होने हेतु प्रेरित करें
- बालिकाओं की शिक्षा को प्रोत्साहित करने हेतु टेलीग्राम में एक नया ग्रुप बनाया गया है जिसमें बालिका शिक्षा में कार्य करने स्वप्रेरित शिक्षिकाएं स्वपहल से आगे बढ़ने के लिए जुड़कर इस दिशा में किए जा रहे कार्यों को साझा करें